Profit of Public Sector Enterprises

*425 : SHRI PREM CHAND GUPTA : Will the Minister of HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES be pleased to state :

(a) whether it is a fact that buoyed by an amount of Rs. 50,434 crore of additional investments pumped into the 240 Central Public Sector Enterprises in the year 2001-2002, these PSUs registered a cumulative 66 per cent growth in net profits at Rs. 26,045 crore during the said period, according to the Public Enterprises Survey; and

(b) if so, what has been the impact of this on the value of these Enterprises and the disinvestment process?

THE MINISTER OF HEAVY INDUSTRIES AND PUBLIC ENTERPRISES (SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL) : (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) As per Public Enterprises Survey (P.E. Survey) 2001-2002, which was laid in the Rajya Sabha on 3-3-2003, the additional investment in all 240 Central Public Sector Undertakings (CPSUs) was Rs. 50,434 crore during 2001-2002. The net profit of 230 operating CPSUs as a group was Rs. 26,045 crore which is higher by 66% over the previous year.

As per the P.E. Survey 2001-2002, the Networth of 240 CPSUs has gone up from Rs. 1,76,669 crore in 2000-2001 to Rs. 2,32,265 crore in 2001-2002. Increase in Networth is likely to have a positive effect on the value of a CPSU in the event of its disinvestment.

SHRI PREM CHAND GUPTA : Mr. Chairman, Sir, first of all I want to seek your protection because if you look at the answer to my question, the question has been repeated, I mean, the answer is my question. This is a fact. My question has been repeated in their reply.

MR. CHAIRMAN : And you are not satisfied.

SHRI PREM CHAND GUPTA : I am a bit surprised.

MR. CHAIRMAN : Put your question.

SHRI PREM CHAND GUPTA : The questions are taken very lightly. Either they are simply replied as 'Yes, Sir', 'No, Sir', or they repeat the same thing again here. This should not be done in future. I want your direction on this issue.

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : जो सवाल पूछा था, वह सही था इसलिए जो जवाब दिया है, वही दिया है क्योंकि जो इनवैस्टमेंट के संबंध में आपने कहा है, वह हुई है। ..(**व्यवधान**).. जो आपने आंकड़े दिये हैं, वे सही दिये हैं तो हम उन्हें गलत कैसे कह सकते हैं ?

श्री प्रेम गुप्ता : महोदय, मैं मंत्री जी की ...

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : जो रिपोर्ट हमने हाउस में रखी है ...(**व्यवधान**)...

SHRI PREM CHAND GUPTA : Sir, I would seek your intervention that this should not be repeated again. In the year 2001-2002, the Government of India invested some additional funds in Central Public Sector Undertakings and this investment showed immediate return. The net profit of the 240 PSUs increased by almost 66 per cent. If it is so, then what is the reason behind distress sale of our public sector undertakings? That is the question.

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL : Do you mean to say what is the reason for 'disinvestment'?

AN HON. MEMBER : He means 'Distress sale'.

श्री संजय निरुपम : पचास करोड़ इनवैस्ट करने के बाद डिसइनवैस्टमेंट का क्या मतलब है ?

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : ऐसा नहीं है कि जिस यूनिट में भारत सरकार पैसा लगाती है, उसी में हम डिसइनवेस्टमेंट या सेल कर रहे हैं। इसके बारे में कम से कम 17-18 बार इस हाउस में चर्चा हो चुकी है कि डिसइनवेस्टमेंट कैसे हो और उसकी नीति क्या हो। उद्योग खड़ा होने के पहले ही कुछ लागत लगाकर ठीक चलता है और उसकी कीमत ज्यादा आ जाती है तो नीति के तौर पर उसको जल्दी बेचना और ज्यादा दाम कमाना, यह ठीक बात है। लागत हम इसलिए लगा रहे हैं कि जहां जरुरत हो, वहां लागत लगाएं और उद्योग अच्छे चलें, जिसके कारण आपको पता है कि नीति के अनुसार नॉन-स्ट्रेटेजिक का सेल होता है। आपको पता है कि हम नॉन-स्ट्रेटेजिक का डिसइनवेस्टमेंट कर रहे हैं। डिस्ट्रेस सेल का कोई सवाल ही नहीं है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के जो चार नॉर्म्स होते हैं, उन्हीं नॉर्म्स के आधार पर डिसइनवेस्टमेंट हो रहा है और कई बार इस हाऊस में चर्चा भी हो चुकी है। डिस्ट्रेस सेल की कोई बात उसमें नहीं है। जो कानून होता है, उसी हिसाब से यह हो रहा है।

श्री प्रेम गुप्ता : मान्यवर, 2001 और 2002 वर्ल्ड इकानॉमी के लिए worst years हैं। And by investing Rs. 50 thousand crores more in our CPUs, we have earned Rs. 27,000 crores as net profit. I want to know one thing from the hon. Minister. From which other industry can you get such a fantastic return? Please tell us because, you yourself are a businessman. (*Interruptions*).

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL : Sir, I am not an industrialist. (*Interruptions*).

SHRI PREM CHAND GUPTA : सर, जब हम सिरडी गये Then I understood what Vikhe Patil is. उससे पहले तो हम समझते थे कि आप गांधीवादी हैं।

SHRI PRAFUL PATEL : He is rather referring to the outlook. That is what he said.

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : मैं अभी भी गांधीवादी हूँ। इसका मतलब यह कि सहकारी चीनी मिल इंडस्ट्रियलिस्ट नहीं है, वह तो किसान की लगाई हुई चीनी मिल है, उसमें तो आपको आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

श्री प्रेम गुप्ता : आपका जो इंडस्ट्रियल आउटलुक है, उसकी बात कर रहा हूँ। जो मिल आपके कब्जे में है, उसके बारे में नहीं बोल रहा हूँ। उसका जो आउटलुक है, वह डिफरेंट है।

श्री सभापति : ये आउटलुक कह रहे हैं, आउटपुट तो नहीं है न?

श्री हंसराज भारद्वाज : ये तो गांधीवादी हैं ही।

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : सर, सरकारी उद्योगों में 50,000 करोड़ पैसा लगाया गया है। इनकी यह बात सही है कि सारी दुनिया में जो रिसेशन चल रहा है, उसमें सरकार ने यह नहीं सोचा है कि उस रिसेस के कारण पैसा लगाना गलत होगा। अगर सरकार हिम्मत के साथ 50,000 करोड़ पैसा नहीं लगाती तो फिर ये उद्योग और भी घाटे में चले जाते। सरकार इस पक्ष में है कि सरकारी उद्योग ठीक से चलें और उसका आउटपुट बढ़े। यह जो हमने बताया कि जब हमने 26,000 करोड़ का नफा कमाया, उसका मतलब यह है कि 36,000 करोड़ का पूरा नफा हुआ लेकिन उसके साथ 10,000 करोड़ का घाटा भी हुआ और घाटे के उद्योग भी हैं। तो घाटा और नफा जब दोनों मिलाकर हम देखते हैं तब यह 26,000 करोड़ का नफा आता है। सभी उद्योग तो नफा नहीं कमा रहे हैं, कुछ उद्योग घाटा भी कमा रहे हैं। इसलिए जब-जब जरूरत होती है, पोटेंशियल ज्यादा अच्छा लगता है, और भारतवर्ष के लिए जरूरी लगता है, तब सरकार पैसा लगाती है। .....(व्यवधान)....

श्री प्रेम गुप्ता : मान्यवर, मेरा सवाल तो पूरा नहीं हुआ।

श्री सभापति : वे घाटा कमा रहे हैं, अब क्या पूछ रहे हैं? श्री दीपांकर मुखर्जी, बोलिए।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE : Sir, now the Minister says that it is not a distress sale. My point is very simple, and it pertains to his Ministry. Increase in net worth is likely to have a positive effect on the value of a CPU in the event of disinvestment. Firstly, why is it 'likely'? Once you say that the profitability has increased in these PSUs if they are under disinvestment, net worth is going

to be increased, naturally, it is not a question of "likely". It should have a positive effect. So, why do you have this pessimistic outlook right from the beginning that it is likely to have? My main question is very specific. Though it is not under your Ministry, the other Ministry talks all rubbish about this valuation. My question is, in 2001-2002, you say that some of these companies net worth has increased. I have a doubt; I have an apprehension that some of these companies, which are still under the disinvestment process, and where the valuation is being made by discounted cash flow basis, and the basis has been arrived at on earlier year's basis, would you kindly spell out and ask this from the Disinvestment Ministry which are the companies where the increased worth is likely to have a positive effect? In that case, will they put it on hold. Whatever possession has been taken, is based on the earlier results, and a fresh discounted cash flow method will be employed before putting it on disinvestment. Will the whole process be put on study or not?

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : सर, यह बात तो सही है कि यह सवाल मुझसे संबंधित नहीं है लेकिन यह बात ठीक है कि जब परफॉरमेंस बढ़ता है और इनवेस्टमेंट की प्रक्रिया चलती है, उस समय जो बैलेंस शीट बनती है, उसी बैलेंस शीट के हिसाब से वह चलता है, पिछली बैलेंस शीट नहीं लेते हैं। जहां तक डिसइनवेस्टमेंट और बाकी के सवाल हैं, जो अभी डिसइनवेस्टमेंट प्रोसेस चल रहा है, उसमें से हम केवल 14 कंपनियां नफे की बेच रहे हैं और बाकी 18 कंपनियां घाटे की बेच रहे हैं, ऐसी कोई बात नहीं है। नफा और घाटा इसमें हम कोई अंतर नहीं कर रहे हैं।

श्री दीपांकर मुखर्जी : मैं 14 कंपनियों की बात कर रहा हूं। आप स्पेसिफिक बताएं जहां भी डिसइनवेस्टमेंट हुआ है। सर, मेरा क्वेशचन स्पेसिफिक है। The reply should have been more specific. Where such investments have been made, and where the net worth has increased.... which are those companies? If any of these companies is under the disinvestment process, the whole thing should be again viewed on the basis of today's projection, not on the basis of the last year's projection.

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL : Sir, there is improvement in the performance of some companies after disinvestment. Sir, I have already replied that as per their balance-sheet, the valuation is done. If they update their balance-sheet, I think, upgradation is always there. But, at the same time, they are investing for better performance, not for decreasing performance. ...*(Interruptions)*...

श्री दीपांकर मुखर्जी : सर, रीडिंग तो हो गई, इसके बाद इन्वेस्ट किया है।

श्री सभापति : आप मैम्बर को लिस्ट दे दीजिए।

SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL : Sir, if the Member requires, I can supply the list to him also, stating which are the companies. ...(*Interruptions*)...

श्री प्रफुल्ल पटेल : सभापति महोदय, केवल पार्लियामेंट में जो सर्वे हुआ है, उसके आधार पर मंत्री महोदय ये सब आंकड़े दे रहे हैं। यह 26 हजार करोड़ का मुनाफा है और ये सारी जो बातें हैं, ये खुशी की बातें हैं। लेकिन उसी सर्वे में यह दिया गया है कि पब्लिक सैक्टर यूनिट्स से जो सरकार को डिवीडेंड दिया जाता है वह 8260 करोड़ से घट कर 8067 करोड़ हो गया है। 26 हजार करोड़ से प्रोफिट बढ़ गया है। आपका जो डिविडेंड होता है, जो सरकार को आप रिटर्न करते हैं, वह घट गया है। इसके बारे में आपको कोई जानकारी है या कोई वजह है तो बताएं ताकि हमें भी जानकारी हो।

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : मेरे पास जानकारी तो पूरी है लेकिन आपको पता है कि जो आप तो उद्योग चलाने वाले हैं। बात यह है कि जो 26 हजार नफा है यह सभी 240 यूनिट्स का है। बात इतनी है कि ऐरे-गैरे कम्पनी का इनकम टैक्स रिटर्न ....(**व्यवधान**) सुनिए, अलग-अलग कम्पनी का इनकम टैक्स रिटर्न अलग-अलग होता है, बिफोर टैक्स एंड आफ्टर टैक्स। इसका मतलब यह नहीं है कि किसी कम्पनी में ज्यादा नफा होगा तो वह ज्यादा देगा। परफोर्मेन्स डिक्रीज भी होती है तो डिवेडेंट कम हो जाएगा, ...(**व्यवधान**) इसका मतलब नहीं है। एक कम्पनी हो जाती है और एक कम्पनी का नफा 26 हजार हो जाता है तो फिर इनकम टैक्स रिटर्न ठीक हो जाता है, लेकिन अलग यूनिट का अलग इनकम टैक्स रिटर्न होता है तो ....(**व्यवधान**)

श्री सभापति : बोलने दीजिए। यह मामला उद्योगपतियों का नहीं है, यह हाउस में आया है।

श्री प्रफुल्ल पटेल : अगर इनके पास डिटेल न हों तो बाद में भेज दें।

श्री सभापति : जो भी हो, आप भेज देना।

श्री बाला साहिब विखे पाटिल : हां, भेज देंगे। I Will send it to him.

High Court Bench in North Karnataka

*426. SHRI M. V. RAJASEKHARAN : Will the Minister of LAW AND JUSTICE be pleased to state :

(a) whether Government have any proposal to establish a High Court Bench in North Karnataka;

(b) if so, by when it is going to commence its functioning; and

(c) if not, the reasons therefor ?